उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

दिनाँक 03-05-2003 को प्रातः 11.00 बजे कुलपति कक्ष में सम्पन्न हुई योजना बोर्ड की बैठक का कार्यवृत्त

कुलपति ने बैठक में उपस्थित योजना बोर्ड के सभी सदस्यों का स्वागत किया और एक दूसरे से परिचय कराया। बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित थे :-

(1)	प्रोफेसर डी०पी० सिंह (कुलपति)	अध्यक्ष
(2)	प्रोफेसर वी०एन० गुप्ता	सदस्य
(3)	प्रोफेसर कपिल कुमार	सदस्य
(4)	डॉ० जगमोहन गर्ग	सदस्य
(5)	डॉ० ए०के० सिंह (कुलसचिव)	सचिव

1. योजना बोर्ड ने अपनी पिछली बैठक दिनाँक 13-07-2002 के कार्यवृत्त की पुष्टि की।

(क) बोर्ड की पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों पर की गयी कार्यवाही से अवगत कराया गया।

2. योजना बोर्ड ने स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा कार्यक्रमों में प्रवेश की अर्हता निर्धारित करने सम्बन्धी प्रश्न पर विचार किया।

निश्चय किया कि विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर एवं पी.जी. डिप्लोमा कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता स्नातक रखा जाय। साथ ही प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थियों को यह परामर्श दिया जाय कि वे जिस विषय में स्नातकोत्तर करने जा रहे हैं उस विषय के वर्तमान स्नातक कार्यक्रम की भी जानकारी अर्जित कर लें।

3. योजना बोर्ड ने व्यवहारमूलक पाठ्यक्रमों के पुनर्निर्धारण पर विचार किया।

निश्चय किया कि वर्तमान में संचालित निम्नलिखित व्यवहारमूलक पाठ्यक्रमों को शैक्षिक सत्र 2003-2004 से समाप्त कर दिया जाय :-

क्र.सं.	चयनित व्यवहारमूलक पाठ्यक्रम का शीर्षक	क्रेडिट
1.	बच्चों के लिए देखभाल सेवाओं का संगठन (AOCC)	4
2.	फीचर लेखन (अंग्रेजी) (AOCFW) (E)	4
3.	फीचर लेखन (हिन्दी) (AOCFW) (H)	4
4.	प्राइमरी स्कूली गणित सिखाने के तरीके (AOCMT)	4
5.	शब्द अनुवाद (हिन्दी व अंग्रेजी) (AOCTR)	8
6.	रेडिया लेखन (हिन्दी) (AOCWR) (H)	8
7.	रेडियो लेखन (अंग्रेजी) (AOCWR) (E)	8

P.T.O.

4. योजना बोर्ड ने पी.जी. डिप्लोमा/डिप्लोमा/प्रमाण-पत्र परीक्षाओं में प्रश्न-पत्र निर्माता परीक्षकों को देय पारिश्रमिक के निर्धारण पर विचार किया।

निश्चय किया कि सभी पी.जी. डिप्लोमा कोर्सेज को समान रूप से वही पारिश्रमिक दिया जाय जो स्नातकोत्तर कक्षाओं के प्रश्न निर्माताओं परीक्षकों को दिया जा रहा है। ।

5. योजना बोर्ड ने नये विषयों के प्रारम्भ करने के प्रश्न पर विचार किया।

निश्चय किया कि गृह विज्ञान, भूगोल एवं शिक्षा शास्त्र कार्यक्रम के प्रारम्भ करने की कार्यवाही प्रारम्भ की जाय और ज्यों-ज्यों इनके पाठ्य सामग्री उपलब्ध होती जाय इन कार्यक्रमों में प्रवेश की कार्यवाही की जाय। इस प्रश्न पर विचार करते समय माननीय सदस्य डॉ. जगमोहन गर्ग ने अपना मत व्यक्त नहीं किया।

अध्यक्ष के प्रति धन्यवाद पारित करने के उपरान्त बैठक की कार्यवाही समाप्त हुई।

डॉ०(ए०के० सिंह)
कुलसचिव